Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 19-05-2006
Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar,Singh Shri Mohan

Title : Need to take steps to check the acquisition of Shatru Sampati in Sitapur, Uttar Pradesh.

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण विाय की ओर सरकार का ध्यान आकर्ति कराना चाहता हूं। अभी कुछ दिनों पहले अखबार में एक समाचार छपा था कि उत्तर प्रदेश में लखनऊ और सीतापुर सहित कुछ स्थानों पर महमूदाबाद स्टेट की संपत्ति को सुप्रीम कोर्ट ने उनके पक्ष में जारी किया है। दुर्भाग्य यह है कि केन्द्र सरकार के गृह मंत्रालय को इस केस में अपने को रिप्रैजेंट करना था। हमारा कहना है कि महमूदाबाद स्टेट के जो राजा थे, वे तत्कालीन मुस्लिम लीग सरकार के कोाध्यक्ष थे। वर्ा 1947 में वे देश को छोड़कर चले गये। 1948 और 1949 में उनकी सारी संपत्ति को सरकार ने अधिग्रहित करके उसे कस्टोडियन में डालकर बांट दी। इसमें एक और तथ्य आया है कि वर्ा 1964 में उन्होंने पाकिस्तान में भााण देकर हिन्दुस्तान के खिलाफ जेहाद बोला। उसके बाद सरकार ने उनकी सारी संपत्ति अपने अंदर अधिग्रहित कर ली। सीतापुर के अंदर सैंकड़ों की तादाद में मकान और संपत्तियां हैं जो महमूदाबाद स्टेट की संपत्ति भारत सरकार के अंदर अधिग्रहित होकर राज्य सरकार ने प्रशासन के माध्यम से लोगों को पैसे लेकर दी। आज लगता है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय में हमारी सरकार ने अपना पक्ष नहीं रखा। वह संपत्ति, जो पाकिस्तान शासक यहां से चले गये थे, उनके पक्ष में छोड़ दी गयी। अब सरकार मजबूरी में निर्देश कर रही है कि उस संपत्ति को खाली करवाया जाये।

मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि वह इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान दे क्योंकि इससे हजारों लोग बेघरबार हो जायेंगे और उनकी संपत्ति का नुकसान होगा। हमारा आग्रह है कि सरकार इसमें सहयोग करके फिर से सर्वोच्च न्यायालय में जाये और ऐसा सहयोग करे जिससे जो लोग 50-60 साल से वहां रह रहे हैं, उनको वह स्थान खाली न करना पड़े। सरकार इसमें तत्काल प्रभावी कदम उठाने का काम करे।

सभापति महोदय : गृह मंत्री जी, आपने इस बारे में सुना होगा। श्री गंगवार जी ने बहुत गंभीर विाय की ओर सदन का ध्यान दिलाया है। वहां हजारों करोड़ों रुपये की संपत्ति है। सुप्रीम कोर्ट का ऐसा निर्देश है कि उसे वापिस किया जाये। वहां सरकार के कार्यालय खुल गये हैं। गवर्नर का कार्यालय खुला हुआ है। गवर्नर साहब उसमें 50 वर्ा से रहे हैं। अब उस सारी संपत्ति को, पूरे हजरतगंज को फिर से वापस करने के निर्देश हुए हैं। इससे वहां एक अराजक की स्थिति है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इस पर सरकार ध्यान दे।

श्री संतोा गंगवार : सभापति महोदय, लखनऊ और सीतापुर, दोनों जगह यह बात हुई है। गृह मंत्री जी, मैं इसे लिखकर आपके संज्ञान में लाऊंगा।

सभापति महोदय : अब हम ढाई बजे तक हाउस को भोजन के लिए स्थगित करते हैं। विशेा उल्लेख के बाकी नोटिसेज छः बजे के बाद लिये जायेंगे।

13.39 hrs.

-

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Thrity Minutes past Fourteen of the clock.